श्री मद्गोस्वामी तुलसीदास कृत

(रामचरित-मानस रामायण) तृतीय सोपान

॥ अरण्य काण्ड ॥

श्री विनायकी टीका सहित

जो

वाच्यार्थ, व्यंग्यार्थ, गूढ़ार्थ पूरित, शब्दालंकार
व अर्थालंकारालंकृत तथा विविध
कविवाणी विभूषित है।

जिसे

साहित्य भूषण पं० विनायकराव (उपनाम कवि 'नायक')
(पूर्व) असिस्टेंट सुपरिन्टेंडेंट ट्रेनिंग [illegible] स्कूल
(साम्प्रत) पेंशनर
लार्डगंज जबलपुर ने

छपकर प्रकाशित किया

[illegible] जबलपुर में [illegible]

सम्वत् १९८७

[illegible]०० प्रति   मूल्य १० आना